ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:13.02.2024

नैनीताल (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान–जारी करने का दिन: 2024-02-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	14/02/2024	15/02/2024	16/02/2024	17/02/2024	18/02/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान (से.)	14.0	15.0	16.0	16.0	17.0
न्यूनतम तापमान (से.)	5.0	5.0	6.0	6.0	7.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	65	65	65	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	8	6	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	230	230	230
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	1	1	1	1

सम सारांश/ चेतावनी:

आने वाले दिनों में बारिश की भविष्यवाणी नहीं की गई है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 14.0-17.0 डिग्री सेल्सियस और 5.0- 7.0 डिग्री सेल्सियस हो सकता है। मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा से 6-8 किमी/घंटा की गति से हवा चलने की संभावना है। शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में एक नियमित अपडेट “मेघदूत ऐप” पर उपलब्ध है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए “दामिनी ऐप” भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र) और ऐप सेंटर (iOS यूज़र) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में अच्छी कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली 9 से 15 फरवरी के दौरान कम वर्षा और सामान्य अधिकतम और न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति को दर्शाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

क्षेत्र में शुष्क मौसम रहने की उम्मीद है, इसलिए उचित सिंचाई उपायों के साथ पर्याप्त नमी बनाए रखी जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
मसूर	फूल आना/ फली निर्माण	फली भरने के समय सिंचाई की जानी चाहिए और कीट/बीमारी की निगरानी की जानी चाहिए।

तोरिया (लाही/घरिया) और पीली सरसों (राड़ा)	परिपक्वता/ फूल आना	रेपसीड और पीली सरसों को परिपक्वता पर काटा जाना चाहिए।
गेहूँ	वानस्पतिक/ फूल आना	पुष्पन अवस्था होने पर लगातार शुष्क परिस्थितियों होने पर सिंचाई करनी चाहिए और सिंचित दशा में यूरिया का प्रयोग किया जा सकता है।
जौ	वानस्पतिक/ फूल आना	पुष्पन अवस्था होने पर लगातार शुष्क परिस्थितियों होने पर सिंचाई करनी चाहिए और सिंचित दशा में यूरिया का प्रयोग किया जा सकता है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
शिमला मिर्च	अंकुर	उचित देखभाल की जानी चाहिए और उचित सिंचाई के उपाय किए जाने चाहिए।
आलू	परिपक्वता	आलू में पछेती झुलसा रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव किया जाना चाहिए। परिपक्व आलू की तुड़ाई करें।
नींबू		फूलों को गिरने से रोकने के लिए खट्टे पौधों को उचित पोषण और सिंचाई दी जानी चाहिए।
गेंदा	फूल आना	गेंदे के फूल को सूखापन और फफूंद से बचाने पर उपयुक्त कवकनाशी जैसे कि स्कोर 0 .5 मि ली प्रति लीटर और टिल्ट 1 मि ली प्रति लीटर की दर से उपयोग किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालनविशिष्टसलाह
गाय/ भैंस	गाय/भैंसों को केवल अफराजनित खाद्य पदार्थ जैसे कि बरसीम, अगोला, इत्यादि का सेवन न कराये। हरे चारे के साथ हमेशा शुष्क खाद्य पदार्थ मानक मात्रा में मिलकर इस्तेमाल करें। गाय/भैंसों के बछड़ों के सींग बड कलिकाओं को एक सप्ताह के उम्र पर ही नष्ट करवायें।
भेड़/बकरियां	भेड़-बकरियों के नवजात मेमनों का उपचारां एवं देखभाल अच्छी तरह करें।